वस्त्र मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री खुर्शीद आलम खान): (क) जी हां ।

(ख) महायक निगम द्वारा की गई जांच के आधार पर पाया गया है कि लगभग 3200 रु. मूल्य का लगभग 1,000 मीटर कपडा केमिकल प्रासैसिंग में टैंडरिंग की वजह से क्षतिग्रस्त हो गया । यह कहना गलत है कि 1.5 लाख रु. मूल्य का 25 हजार मीटर कपड़ा जला दिया गया है ।

(ग) एन.टी.सी. प्रबन्ध-मण्डल ने इस लापरवाही के लिये जिम्मेदार व्यक्तियों का पता लगाने और इस संबंध में उचित कार्यवाही किये जाने के बारे में जांच के आदेश दिये हैं । ट्रेड यूनियनों ने भी जांच की मांग की किन्तु जांच पहले ही आरम्भ कर दी गई है ।

Bank fraud in Bombay

1099. SHRI RAM NARESH KUSHAWAHA:
SHRI VIRENDRA VERMA:

Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) whether a big bank fraud involving Rs. 35 crores has been recently unearthed in Bombay; and

(b) if so, what are the details thereof stating the status of the bank officials involved in the racket, their *modus operandi* and the action taken by Government in the matter?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI JANARDHAN POOJARI): (a) and (b) Presumably the reference is to the allegations about collusion of some officials of commercial banks and the National Co-operative Bank Ltd. Bombay in opening of Letters of Credit and transfer of foreign exchange out of the country without actual import of goods in an irregula manner. The Reserve Bank of India has reported that about 200 Letters of Credit were opened with various commercial banks through the National Cooperative Bank Ltd. Bombay. According to Reserve Bank of India the Anti-Corruption Bureau Maharashtra is investigating into the matter and the involvement of the bank officials and the *modus operandi* adopted etc. would be known only after the investigation is completed.

मध्य प्रदेश में शुष्क पत्तन तथा विमान-माल काम्पलैक्स का स्थापित किया जाना

1100. **श्री प्यारे लाल खंडेलवाल** : क्या **वाणिज्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि **क्या मध्य प्रदेश में शुष्क पत्तन तथा विमान-माल** काम्पलैक्स की स्थापना की कोई योजना सरकार के विचाराधीन है, यदि हां, तो इस मामले में क्या कदम उठाये जा रहे हैं?

वाणिज्य मंत्री तथा खाद्य तथा नागरिक पूर्ति मंत्री (श्री पी. शिव शंकर) : मध्य प्रदेश में शुष्क पत्तन स्थापित करने का कोई प्रस्ताव नहीं है । एयर कार्गो काम्पलैक्सों की स्थापना पर, संबंधित राज्य सरकारों की, जो उनका प्रबन्ध करती है, सिफारिश की संभाव्यता के अनुसार विचार किया जाता है । इस संबंध में मध्य प्रदेश सरकार से अभी तक ऐसा कोई ब्यौरेवार प्रस्ताव प्राप्त नहीं हुआ है जिसके समर्थन में यातायात संबंधी औचित्य दिया गया हो ।

समाज के कमजोर वर्गों को ऋण दिया जाना

1101. **श्री प्यारे लाल खंडेलवाल** : क्या **वित्त** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि भारतीय रिजर्व बैंक ने समाज के कमजोर वर्गों और पिछड़े क्षेत्रों के व्यक्तियों को कर्ज दिए जाने संबंधी नियमों को हाल ही में उदार बनाया है ; और

(ख) यदि हां, तो इस संबंध में ब्यौरा क्या है ?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री जनार्दन पूजारी) : (क) और (ख) भारतीय रिजर्व बैंक ने कमजोर वर्गों को दिये जाने वाले अग्रिमों के संबंध में जमानत और मार्जिन के वास्ते उदार मानदण्ड निर्धारित किये हैं । भारतीय रिजर्व बैंक ने विभेदी ब्याज दर योजना और समन्वित ग्रामीण विकास कार्यक्रम के अंतर्गत समाज के कमजोर वर्गों और

पिछड़े क्षेत्रों में स्थित औद्योगिक एककों को ऋण सहायता देने के लिये भी रियायती ब्याज दरें निर्धारित की हैं । भारतीय रिजर्व बैंक ने वाणिज्यिक बैंकों को, देश के चुनींदा खण्डों में पहली अप्रैल, 1986 से लागू की गयी प्रयोगात्मक प्रक्रिया के बारे में हिदायतें जारी की हैं जिनमें समन्वित ग्रामीण विकास कार्यक्रम के लाभार्थियों को पशु-पालन कार्यक्रमों, मानक मेक अथवा ब्रांड परिसम्पत्तियां खरीदने तथा समन्वित ग्रामीण विकास कार्यक्रम के अन्तर्गत उद्योग सेवा व्यापार संघटक के अधीन 3,000 रुपये तक की परिसम्पत्तियां खरीदने के लिये दी जाने वाली सहायता के वास्ते, आर्थिक सहायता तथा ऋण की रकम का सीधे नकद भुगतान करने की व्यवस्था की गयी है ।

Theft of thin wire at Itarsi Railway station

1102. SHRI PYARELAL KHANDELWAL: Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that a box containing thin wire which is used in currency notes was stolen away in the month of August, 1985 from the Itarsi Railway station;

(b) whether the Intelligence Department has made any inquiry into the matter;

(c) if so, what are the details in this regard; and

(d) whether the box has since been recovered?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI JANARDHAN POOJARI): (a) to (d) The Security Paper Mill, Hoshangabad, which manufactures security paper for printing currency and bank notes imports the security thread for insertion into the security paper. In order to develop indigenous source of supply of security thread, the Mill had obtained from an Indian firm some quantity for trial supply. Since some deficiencies were found this was returned to the supplier for carrying out necessary modifications. During transit of this indigenous thread through Railways from the supplier to the Mill, some discrepancy in the weight was noticed. The matter was refered to the Central Bureau of Investigation. The inquiry conducted by the CBI could not clearly establish whether there was actually a loss at all. The CBI had also indicated that there was no scope for further inquiry.

स्व-रोजगार योजना के अधीन दिया गया ऋण

1103. **श्री प्यारेलाल खंडेलवाल** : क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश में कितने शिक्षित बेरोजगार तक की अवधि के दौरान स्व-रोजगार योजना युवकों को 1983 से 31 मार्च, 1986 के अधीन वर्षवार तथा बैंकवार ऋण स्वीकृत और वितरित किये गये; और

(ख) उन मामलों में कब तक ऋण वितरण कार्य के पूरा होने की संभावना है जिनमें ऋणों की मंजूरी तो पहले ही दी जा चुकी है लेकिन ऋण, अभी तक वितरित नहीं किये गये हैं ?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री जनार्धन पुजारी) : (क) स्व-रोजगार योजना के अधीन वर्ष 1983-84 में बैंकों ने 2.42 लाख हिताधिकारियों को 401.54 करोड़ रुपए के ऋण मंजूर किये थे । 1984-85 में बैंकों ने 2.29 लाख हिताधिकारियों को 429.53 करोड़ रुपए के ऋण मंजूर किये थे । विकास आयुक्त (लघु उद्योग) उद्योग मंत्रालय के कार्यालय में प्राप्त 1985-86 की रिपोर्ट के अनुसार 30 अप्रैल, 1986 को बैंकों ने 1.78 लाख हिताधिकारियों को 302.56 करोड़ रुपए (अनन्तिम) के ऋण मंजूर किये थे । वर्तमान सूचना प्रणाली के अधीन बैंकवार, वर्षवार ब्यौरा उपलब्ध नहीं है ।

(ख) मंजूर किये गये ऋणों का संवितरण कई बातों पर निर्भर करता है जैसे औपचारिकताओं को पूरा करना और ऋणकर्ताओं द्वारा ऋण संबंधी कागजात का निष्पादन करना, एकक को लगाने की प्रगति आदि । कुल मिलाकर यह एक सतत प्रक्रिया है इस लिये यह बताना संभव नहीं कि किस